

१ अथ लयशुसूर्य॥ गमकाव॥ रुतसकागसमकाव॥ कर्कगगरीय॥ द्विगीयशुसूर्य॥ वरुयदरागी॥ शुथनसव
 गगाय॥ रुगीयशुसूर्य॥ महावन्वात॥ वलवन्क॥ थमनकाकुर्कतागवयय॥ मामववन्विश्याथावनकुर्क
 मावकय॥ वरुथसूर्य॥ वरुयासखमद॥ यदगशुशययय॥ मवडाधवीशय॥ यवमशुसूर्य॥ धुविचयल॥
 खववावय॥ वषववि॥ महावयल॥ नागववव
 यकशय॥ सकमशुसूर्य॥ थमयाकाकार्यम
 गमकावशय॥ श्रीवाधखशय॥ वागीशय॥
 य॥ धनहीनशय॥ विठमवशय॥ नवमशुसूर्य॥ धनरागी॥ मिगरागी॥ दववाकापरुका॥ विरुका॥ दगमशु
 सूर्य॥ मतिपूवशय॥ धूवशय॥ धनवन्क॥ गरीवरिंदशय॥ गणधलीव॥ रिंयवयधलीव॥ कार्यसिद्धिशय॥
 वदादगशुववि॥ संवय॥ नियग॥ वलवन्क॥ मवडाधवीशय॥ अहंकावीशय॥ मामिसाधलीव॥ विषयस

कामी शय ॥ काय सिद्धय करुय ॥ दाद गमु ववि ॥ सत्रि नय ॥ अला सशय ॥ वाय वाधवी शय ॥ मिग वाधवीः
 शय ॥ नाना विरुधली व ॥ मिखाया व शय ॥ सूर्य राव रुल समार्क ॥ ॥ अथ वंद दग रुल ॥ लग मु वंद ॥ मी सकंद
 या वन रु शय ॥ धन वन रु शय ॥ गुप वन रु शय ॥ मवल न सव काल वृष ल न स कर्कट स धन सव काल रिंद ॥ व
 नी ॥ वल न सव काल द ४ खि शय व ॥ दा विद
 शय ॥ मिग लारु रु शय ॥ यग वन ॥ धन वन
 उदय ॥ का र्ज यगिया लयाय ॥ वरु धे वंद रु
 वन रु शय ॥ यं च म वंद ॥ धू व शय ॥ विधा वन ॥ गील वन ॥ काय भावा धली व ॥ मिग लारु ॥ धन वन रु शय ॥
 वरु वंद ॥ लाक या क पी गि शय ॥ गवी वरि नय ॥ जाय ल र्थ वला बाला या अविष्ट दय ॥ कृष्ण य द स दिन
 स जाग रु व सा अविष्ट म द ॥ धु व य द स वा पि स जाग रु व सा अविष्ट म द ॥ धन गु लिया विप वी ग रु व सा

अविष्ट द व ॥ सक म मु व रु रु ल ॥ धखी रु राव ॥ गवी वरि नय ॥ कामि शय ॥ धु व य द या रिं ग ॥ कृष्ण य द या
 वाधि न यी रु व य य ॥ धरु वि ग व ॥ अरु म वंद ॥ वाग वाधि न यी रु व य य व ॥ अविष्ट व द व आय म द म द उ व द
 व रु व रु मिग रु रु रु श काल अविष्ट म द ॥ न व म मु व रु ॥ द व रु कि शय ॥ पि रु रु क शय ॥ धु वी शय ॥ यग
 वन ॥ मिग र्थ न रु शय व ॥ मी या क रु स वन
 न व रु शय व ॥ धू व व रु शय व ॥ न का द ग
 क व रु ल रु शय ॥ गवी वरि नय ॥ म रु रु शय
 वी शय ॥ गवी व म रि नय ॥ वागी शय ॥ अला गी शय ॥ मिखा म रि नय ॥ वंद रु राव समार्क ॥ ॥ लग मु वं ग
 व ॥ कृ व ॥ धु व व य य ॥ सा रु स व रु शय ॥ ग य धि शय ॥ नि का य रु शय ॥ द्वि गी य क रु ॥ रि न क रु शय ॥ गवी वरि
 नय ॥ व य ल रु शय ॥ रु गी य रु क रु ॥ वा न रि नय ॥ धन वन ॥ स खि वन ॥ वरु र्थ अंग व ॥ ग रु यी रु व य

य॥ विकटखं द्राय॥ द४खि रुयव॥ चतुस्यदन लकमकय॥ यदग रुययय॥ यवमकज॥ गवीनमरुिन
 य॥ वागनगय॥ लाकडायीनिमरुय॥ ययलसरुवधलीव॥ निवआत्माशय॥ वधकज॥ वाकयद॥ ववननद्रा
 य॥ नयासालय॥ गवीनरुिनय॥ अलासमधलीव॥ गगुरुकाशय॥ डद्वगुरु खगुरु मिगगुरुइकाल॥ सक
 मकज॥ चुर्क्रीशानकालमवग कलागमरु
 अरुमकज॥ विदंवलखं द्रायव॥ अकमनि
 य॥ मिखासयीगवयय॥ अल्यआय॥ नवम
 गवीनमरुिनय॥ दगमकज॥ कम्मरुिनय॥ धनवनरुइय॥ धीर्यवनरुइयव॥ यधानयवनरुइय॥ सुखिव
 न॥ मवयवनरुइयसय॥ गवीनरुिनय॥ धनधान्यसंयन॥ मावाधलीव॥ मवनरुइनिव॥ नकादगसु
 कज॥ धनवनरु॥ मवयवनरुइयसय॥ गवीनयुष्टिरुयव॥ धनधान्यसंयनरुइयव॥ मावाधलीव॥

दादगमुकज॥ कृष्णमिरामरुिनय॥ कच्छुत्रायनयीगवयय॥ द४खि रुय॥ निगतरुइयव॥ गवीनरुइनय॥
 कजरुवरुलसमारु॥ ॥ लगमुवध॥ वृयवनरु॥ वदिवनरु॥ रूानवनरु॥ गलितवनरु॥ द्वितीयमुवध॥ वदिवन
 रुय॥ अन्नरागी॥ मवयवनरुइय॥ रुगीयमुवध॥ आयद्वाय॥ दायरुय॥ अलासमधलीव॥ रूानि
 रुय॥ मवयवनरुइयव॥ नियनरुइय॥
 य॥ सा मगन लककय॥ डल्यरुिद्वि रुय
 यवधुवनरु॥ रुवधलीव॥ वधवध॥ वाद
 वनरुइय॥ सकममुवध॥ यरुवनरुइय॥ निकायरुइय॥ लाकवागाम॥ रुिंयमुलीलयव॥ सुखीरुय॥ अ
 रुमवध॥ विखागयवधु॥ गवीनरुिनय॥ ० कलयाक का० नायक दधुनायकरुइय॥ नवममुवध॥ अति
 यवनरुइय॥ धनरागीरुइय॥ लाकयाकदयावनरु॥ दानवधलीव॥ धनवनरुइयव॥ दगममुवध॥

यवधुमति॥धर्मवक्त॥धीर्यमति॥गवीवयव॥नानाविधिवृद्धिधलीव॥सखीरुगी॥चकादणवध॥धनधन॥
 यज्ञावक्त॥वकीवलाधलीव॥सखीरुय॥दादणवध॥कुर्नालाकीरुयव॥वृद्धववनकाय॥वादीरुय॥गा
 सनरुय॥वधकावरुलसमाय॥ ॥वृद्धस्यतिरुलमाह॥लगभुजीव॥सगवीवरुय॥दीर्घायरुय॥यज्ञा
 वक्त॥धर्मिकरुय॥विद्यावक्त॥द वधर्मवक्त॥यथैवक्त॥दिगीयभुजीव॥धन
 वक्त॥रुगीरुय॥गवीवरुनय॥ववन रिनय॥रुनीरुय॥रुगीयभुजीव॥महायवधु॥वृद्धि ११
 वक्त॥रिग्वर्कितमनकाधलीव॥रिद्धकीध लीव॥वधुर्थजीव॥लाकसकलसवायीतिरुयव॥ध
 नवक्त॥गकुजितवयय॥साभस रुसि वलसनलककय॥अकलयाकलारुदय॥यवमजीव॥
 सखि॥यज्ञावक्त॥मिगसुदगिधलीव॥धनवक्त॥सखी॥वधुजीव॥नयगदगमरु॥अग्निमथालीव॥का
 र्ययायशका रुयव॥रुकिनीवसरावधलीव॥मीरुक्तजितवयय॥यधनयवधुय॥धनरुगी ॥

सकभजीव॥सागुगीरुय॥गवीवसखिरुय॥रिद्धकलागधलीव॥यवधारागशय॥गुणवक्त॥यधनरुय॥धः
 र्मिकरुय॥विद्यागशय॥अष्टमजीव॥दीर्घायरुय॥मामिसाधलीव॥लाकवायीतिमरुव॥अलजलयमरु॥
 सखीरुक्त॥नवमभुजीव॥धर्मकार्यवग॥विद्यावक्त॥सखीरुय॥अकलमकयधनरुय॥दगभ
 जीव॥लागवयाकार्यसिद्धय॥कर्मरिनय॥ सखवाकशय॥भवयाकरिनकविक्तवयय॥गर्गधली
 व॥सखीरुयव॥चकादणजीव॥नानाविरु दव॥यधुनलककय॥सखीरुय॥दागशय॥यवधु
 यवधुय॥दादणजीव॥अलागीरुय॥ (वखिखीकाय॥रुनीमरुय॥वृद्धिवक्तमरुय॥द४ः
 खिरुयव॥ ॥लगभुगुक्त॥मिखारिनय॥यववक्त॥गवीवरुनय॥दीर्घायरुय॥मीविषयसगाटशय॥रिद्धकी
 लायव॥सखीरुय॥विद्यावक्त॥दिगीयभुक्त॥धनवक्त॥सखीरुय॥रुगीरुय॥रुनीरुय॥यवधुय
 धनरुय॥रुगीयभुक्त॥द४खिरुय॥निधनी॥मीवाधलीरुय॥जसवक्त॥वधुर्थगुक्त॥सखीवक्त॥

कदं वससकलगां धलीव॥ यशुयदधलीव॥ विद्यावनकशय॥ यवमधुका॥ सुखीवनक॥ रिंढकायमावाधली
 व॥ विद्यावनकशय॥ भक्तलयाकसवाधलीव॥ दन्दनायकशय॥ यशुयका॥ गङ्गुका॥ गङ्गीवरुनय॥ धन
 वनकशयव॥ धीर्यवनक॥ सुखी॥ सकमधुका॥ रिंढकायमाधलीव॥ धर्मिकशय॥ ग्यानिशय॥ धनवनक॥ युगवनक
 ॥ अष्टमधुका॥ दीर्घाय॥ आयवृद्धि॥ ज्ञानवनक॥ ॥ भक्तलयाकसवाधली॥ नवमधुका॥ धनवनक॥ युगव
 नक॥ लोकवायीगिशय॥ प्रीतिवनक॥ गवकाय
 नसाहासयाय॥ दशमधुका॥ नृपवनक॥ ॥ सिद्धयकरुय॥ वशुयदनरागीशय॥ अकस्मात्तनध
 यवनक॥ ज्ञानवनक॥ धनवनक॥ भूमिसाधलीव॥ मवयाकडवकावयाय॥ यवधुवधिवनक॥ कर्मवनक॥ ॥ १२
 सुखी॥ रिंढयदार्थनयदय॥ कलडयकावीशय॥ शुक्ररावसमाक॥ ॥ गनिधवरावरुलमारु॥ लयसु
 गनि॥ गङ्गीवरुनयव॥ दाविदशय॥ यदगारागीशय॥ कृष्णमिखा मरुनय॥ स्ववर्खकायानमखर्वराव

यय॥ जगनयाहामसिद्धय॥ दशयसुगी॥ रुगीयगनि॥ गङ्गीवरुनय॥ ववववधाय॥ धमनककिंजमरुलय
 ॥ सुखीशय॥ वशुयगनि॥ गङ्गीवरुनयव॥ धनदानिकव॥ लोकडामजायिव॥ वालसवाधिनयीग
 वयय॥ माममरुलीव॥ यवमधुगनि॥ गङ्गीवरुनयशय॥ धनहीन॥ सुखमधलीव॥ वागीशय॥ नीवर्खका
 य॥ ग्यारुवीशय॥ यशुगनि॥ महायवधुय
 वयय॥ सकमगनि॥ गवयी॥ काधीशय॥ कृ
 य॥ अष्टमगनि॥ यावमगि॥ धर्मवनकमशव
 यय॥ वधनगीशयवर्द॥ दशमगनि॥ धनवनकशय॥ धूव॥ यशुगङ्गीव॥ दधुनायक॥ यामनायक॥
 मन्नीशय॥ सुखीशय॥ वकादगगनि॥ धनवनक॥ धनकालिग॥ वागीमशव॥ अवासयव॥ धनजनधली
 व॥ सुखीशय॥ दादगगनि॥ विकलविरुशय॥ मूर्खशय॥ गवधिशय॥ विरुवाकलशय॥ सकायमावाय॥

दाविदु शय ॥ यदयाखगयमान डवृशकाल मिगदुगशकाल स्वदुगशकाल अदुमसददादगस १२ जन्मः
 सादिगीयमे २ किंयदुलवियवशर्षा विष्णव आदित्य अंगव गनिधुव लमस र्वकालयारुलशर्षा ॥ ॐ ति
 रावाधायसमाय ॥ ॥ आदित्यवदुनकनागिधु ॥ गवीवयद्विशय ॥ उआगिसादासवकशय ॥ मवयाकडयका
 वीशय ॥ सुश्री ॥ गवीवदुययदुशय ॥ धनवक ॥ सखीशय ॥ रुकिअरुनीधशय ॥ यावमनि ॥ सुव ॥
 सवाधर्मरुकि ॥ धनदयवर्कव सवयवर्कव ॥ जसवक ॥ यवयार्थ ॥ वृयवक ॥ सुव ॥ धर्मवग ॥ १३
 धनवक ॥ भकलयावकजसवकशय ॥ ला कडापीगिशव ॥ सुधु ॥ गमुवक ॥ श्रीविषयसवग ॥
 धनवक ॥ दुयठमिखाभाय ॥ सुग ॥ सादासिशय ॥ नानावमुजागदयकविनायाय ॥ थमयाकाकारुस
 आदगशय ॥ नकसदवकायमृयशय ॥ सा मस रुसि वलसन लककय ॥ र्वजी ॥ गवीवयद्विशय ॥
 धनवक ॥ यवानयवयशय ॥ वसवक ॥ गवीवरिनय ॥ र्वद ॥ गमुरु ॥ ग्यानवक ॥ धनवक ॥ गुणवक ॥

र्वद ॥ धर्मिषा ॥ गुगरु ॥ धनवक ॥ अथवाश्रीसखा ॥ र्वधु ॥ कलिग ॥ कलरुधिय ॥ वमु नानामात्यादिवग ॥ र्वग
 ॥ दखिग ॥ वृद्धश्रीधिय ॥ वग्नाश्रीधिय ॥ नियग ॥ अद ॥ श्रीलारु ॥ नानाश्रासय ॥ धनवक ॥ श्रीयाडदगनद ८
 खसथव ॥ वायनगाय ॥ अद ॥ विशावकशय ॥ ववनसय ॥ धनद्वव ॥ अगमलडापीगिशय ॥ सखधानय
 अंशु ॥ यवानयवय ॥ आतिविदिशामय ॥ मी सायाधनसवग ॥ गवधूरुशय ॥ आयद्वाय ॥ अंग ॥ का
 र्यडआगयाय ॥ सिद्धयकरुयव ॥ यावमनि ॥ धूववक ॥ गवीवरिनय ॥ रुकीकयय ॥ वद ॥ मलावस
 य ॥ खिसय ॥ य्याखनसय ॥ श्रमसवखगीश य ॥ गुणवक ॥ धनद्वव ॥ सखी ॥ धीर्यवक ॥ खमावक ॥
 धर्मिषा ॥ वधु ॥ धनद्ववशय ॥ गुणवक ॥ नानाश्रासय ॥ लाकडापीगि ॥ वग ॥ गवीवरिनय ॥ नियन ॥ वधु
 ॥ विशावक ॥ वाक्काणशवसावदसय ॥ यवानयवयशय ॥ सखीशय ॥ धनवक ॥ किदयवयशय ॥ किंयश्री
 लारुदय ॥ दागाशय ॥ सखी ॥ दवरुका ॥ गुवरुका ॥ वग ॥ धूव गवीवरिनय ॥ अलासीमशय ॥ गनअलिखम

लंगलसाऊश्य ॥ यथानयनवश्य ॥ लाकनकय ॥ सुखी ॥ सम्यक् विवाय ॥ रागीशय ॥ शुभ ॥ नानावृद्धिदय ॥
 लंगलसाऊश्य ॥ मससा ॥ चलस ॥ रुसिनरागीशय ॥ दुर्ग ॥ श्रीकातलानय ॥ मवयाकडयकावीशय ॥ श्रीः
 शारागीशय ॥ जनसखीशय ॥ मूर्ध ॥ यायमति ॥ निलाऊ ॥ सातनाय ॥ शुभवन ॥ सुखीशयव ॥ लाकडापीति ॥
 ० कलयाकडवणदय ॥ मूर्ध ॥ वृ ॥ वृ ॥ मायावृद्धि ॥ कल्यानकावी ॥ यवदशसदगवगशय ॥
 मधावी ॥ हानवन ॥ मूर्ध ॥ यवदाववति ॥ ॥ धनश्रुलथरुय ॥ निकामी ॥ गामुसय ॥ मूर्ध ॥ ग ॥
 हानिधागुर्वादशलागवयय ॥ वादीशय ॥ ॥ गामुमसयव ॥ वागीशय ॥ मूर्धगाशय ॥ मूर्धव ॥ स्वा
 गविष्ठागशय ॥ यवयार्थ ॥ साहासवन ॥ धनवृ ॥ नियनशय ॥ कलागकायवाविधाधशय ॥ मूर्धवृ ॥
 वयनरिनय ॥ महाधनवन ॥ सविशीलरिनय ॥ ० कलयाकलारुदय ॥ मन्त्रिशयव ॥ अथवासमर्थ ॥
 यवधुयव ॥ सखवादी ॥ मूर्धव ॥ गजवन ॥ रुसशक्रिनकंओययय ॥ गवीवरिनय ॥ रागी ॥ लाक

वदुल ॥ सुखी ॥ मूर्ध ॥ गवीवमरिनय ॥ वृयमरिनय ॥ ललातुयलखानशय ॥ गामनशय ॥ नियवागीशय
 ॥ महाकलरुयक ॥ गवीवगय ॥ मूर्धशय ॥ मूर्धवृ ॥ अतमिखादीनशय ॥ धनवन ॥ गामुवन ॥ शुभवन ॥ वृय
 वन ॥ लाकवापीति ॥ मूर्ध ॥ शुभवन ॥ वायुपशकालवदवनशय ॥ सदगयदगविष्ठागशय ॥ लाकडापीति
 ॥ वृयालश्रीनिमित्तिनदखसय ॥ मूर्ध ॥ मावा
 रुय ॥ मूर्ध ॥ दशखरागी ॥ लाकयाकदयाध
 ॥ धवनयवनयतिवालयय ॥ ० कलनमान
 शय ॥ यवयाकार्जसथाकशय ॥ कद्ववाधमशय ॥ महागमकावशयव ॥ सगावन ॥ गवीवमरिनय ॥
 कलिक ॥ रवर्ज ॥ यायमति ॥ नीवकवति ॥ आयजल्य ॥ र्ववृ ॥ वावयावलाय ॥ मूर्धसातनाय ॥ खय
 यय ॥ अथनाथकायधलीव ॥ श्रीडदगनकष्टसय ॥ लाकडाविर्गववखलाय ॥ विकासकवयमः

रु॥ अंघ्रि॥ गीलवन्क॥ द४खि॥ लखखठनयखलिखठनयाय॥ अंघ्रि॥ वावकनिर्णयकसुभयव॥
 अस्नानीशय॥ वयल॥ ग्यारुदि॥ लोकवामनाय॥ कवाविशय॥ वर्व॥ धनवन्क॥ ववनरिनय॥ वृयव
 नकशयव॥ ख्यातिशय॥ उगतविख्यातशय॥ युगवन्क॥ सनानदय॥ वधुर्व॥ विशावन्कशय॥ युगवन्क॥ नी
 व॥ रूखा॥ धन॥ कलयाककायव॥ गंर्व॥ मावाधलीव॥ यखानकशय॥ लाकसवावकुलशय॥
 भकलयाकलारुदय॥ सुखीशय॥ संपति॥ वर्व॥ मरुतमाशयव॥ युगवन्क॥ रिंशकायभा
 वाधलीव॥ यखानकशयव॥ स्नानीशय॥ वदिवन्क॥ सुखी॥ रिंठसुदय॥ सुयाडदगनानधन
 वन्कशय॥ वंघुग॥ नानाशय॥ आखनवायसय॥ युगवन्कशय॥ मरुतशय॥ धर्मात्माशय॥ वं
 वृ॥ वाक्यद॥ ववनरिनय॥ लाकयाकयीतिशय॥ युगवन्क॥ रिंशवमुदगीयधलीव॥ गीतवायनगश
 य॥ डयकावी॥ आवावरिनय॥ लाकयायीतिशय॥ यव्यवन्कशय॥ वृष्टु॥ सुरिंशधलीव॥ वृयवन्क॥

१५

युगवन्क॥ धनवन्क॥ धनद्व॥ सुखी॥ लाकडायीतिशय॥ धर्मवन्क॥ दागाव॥ भकलयाकलदनदय॥ वं
 ग॥ लाकवकुलशयव॥ विकटसरावधलीव॥ आयकाय॥ धनअर्जयय॥ वागयिरुगनीवयीगवयय
 ॥ धर्मवन्क॥ दवरुका॥ दानययसरुकिशय॥ वृगर्ज॥ भकलयाकलारुदयव॥ र्कदखशय॥ गनीवम
 रिनय॥ विठवमसरावधलीव॥ लाकडामयुयिवा॥ द४खिशय॥ दाविद॥ कसुशय॥ वंघु॥ विद
 वनशय॥ मरिंकायभावाधलीव॥ द४खि॥ यवदगशययय॥ वृष्टु॥ पिरुका॥ वृयवन्क॥
 युगवन्क॥ धर्मवन्क॥ दवयुवरुकि॥ दागा॥ भकलयाकलारु॥ वृष्टु॥ धनधान्यादिसुखी॥ स्नानी
 ॥ युगवन्क॥ धर्मि॥ धर्मिक॥ सुखी॥ ग्यानि॥ गीतवायसवयवाय॥ सुविषयसवगशय॥ गीलवन्क॥
 वृष्टु॥ रिंठकुलसजायवयय॥ गीलवन्क॥ धनवन्क॥ सुखी॥ वर्वअसू॥ आवासय॥ दजनसरावशय
 ॥ खयथय॥ नाकुयय॥ नानामायावधिलीव॥ गीलवन्क॥ धर्मिक॥ लाकवायीति॥ मूर्ववधु॥ मिसाविष

यसगाठशय॥सखीशय॥धनद्वयशय॥भक्तलयाकलारुदय॥दववाक्कापरुक्॥विरुयाधिवमशव॥गवी
 वसुद्वयशय॥दिनसम्यक्साकारुधलीव॥ववनरिनय॥सूर्यवर्ग॥मामववन॥गामवायवयय॥गामनश
 य॥सुसुवृव॥लटकशय॥गर्नशययाळमदा॥गवीवरिनय॥सखीशय॥भक्तलनमानयाय॥गर्ववृष्ट॥ध
 नवन॥मिखारिनय॥धार्मिकशय॥नूयवन॥
 शुग॥दज्जनमायावद्धि॥महाधूर्त॥मवयाधन
 लाकडाधीतिशय॥नकशनय॥धनवन॥अ
 ॥यवदावाशय॥शूवा॥गवीवरिनय॥महादज्जनशय॥निलाजशय॥धवधनमटठ॥मवयाधनलारुखाय॥
 धनअज्जदयायकय॥वाजमवाव॥सूवर्ज॥ल्लायययव॥नाययय॥नीचवतिशयव॥विद्यावनशय॥
 झानीशय॥खंसय॥भक्तलयाकलारुदय॥आर्जवृष्ट॥सारुगीशय॥लाकडाधीतिशय॥धनवन॥ख्या

निविख्यागशय॥महाझानीयवृथार्थशय॥सूज्वृष्ट॥दन्नगमशव॥विर्गववशय॥विटकखंकाययय॥
 लाकडामजायिव॥कदम्बमजिय॥द४खिदाविदशय॥कदम्बयव॥सूज्वृष्ट॥वृवव॥नीचवति॥विर्गवव
 शय॥सूगवृष्ट॥विर्गकसरावधलीव॥कवकवयाय॥असगखंयय॥सूवृष्ट॥खंसय॥ववनरिनय॥
 झानवन॥सखी॥सख्यवन॥दागावधर्मवन
 धानयवव॥भक्तलयाकलारुदय॥सखीशय॥
 गामुसय॥भक्तलयाकलारुदय॥सखीशय॥
 खीशय॥दाविदशय॥वर्जवृष्ट॥गुणवन॥झानवन॥गवीवरिनय॥ववमामयाकरुकिशय॥कलागनर्क
 दयव॥वर्जवृष्ट॥सयववशय॥महगमाशय॥गवीवरिनय॥रिषमुधलीव॥श्रीयायसादन॥सखीशय
 ॥ग्यानिरिठकायमावाधलीव॥रिठमिधलीव॥सूवर्ज॥असनमताय॥वददाकमाय॥मालकमनमरु

धृव॥ गनीनरुनय॥ वाजायाक वा रुदय॥ कार्यसिद्धयकरुय॥ रिं वृमुथलीव॥ श्रीनसुखविय॥ वं गं गंधु
 वृयवक॥ विरुं ववखं द्वाय॥ लाकडापीतिमशुव॥ द४खिशुय॥ दाविडशुय॥ गनीनमरुनय॥ वायथलीव॥
 वृवंधुव॥ विद्यावक॥ मामवव्याकरुकिशुयव॥ सुखीशुय॥ धनसंयतिशुयव॥ लाकडापीतिशुयव॥ गव२
 वायशुय॥ जीवययं वाय॥ वं वृग॥ दवयाक
 न्याय॥ कदं वसकलयागियालयाय॥ वं वृगु
 सतासनशुय॥ आयदद्वयव॥ वनजया डद
 थवकलागयाक वगिमशुव॥ लाकसवापीति॥ सुखीशुय॥ संयलिदय॥ वृवंधुग॥ सुवद्विमीलाय॥ श्रीयादवा
 वषसुखीशुय॥ गनीनरुनय॥ युगवक॥ विद्यावक॥ ववनरुनय॥ धनीशुय॥ सुखीवक॥ लाकयाकडयका
 वीशुय॥ गनीनगयव॥ गामवाय॥ वागयिरुदधुवायशुयव॥ जायगामदा॥ गंधुग॥ गजवक॥ वृयवक॥

10

सुखी॥ रिं वृमुथलीव॥ लीनद्वी संयलिदयव॥ सयाकनी साहासवधरुयव॥ वृवंधुग॥ ववनरुनय॥ विद्या
 वक॥ वृयुष्यदरागी॥ दागा॥ लाकयाकदयावाय॥ दवककि॥ मूर्वर्जवृव॥ द४खिशुय॥ दाविडशुय॥
 श्रीयाडदगनानद४खसय॥ यिरुधिगनीन॥ मूर्जवंधु॥ कायमावामदय॥ धनरागी॥ वद्विवक॥
 लाकडागायव॥ सुखी॥ थवववडामताय॥
 नवक॥ लंघनसाजमशुव॥ मवयाकडवात
 दि॥ मूर्वर्जगंधु॥ मान्यगनीन॥ अर्थवक॥ दी
 सुखवक॥ भकलनमानयाय॥ कीरिवक॥ मलाखातियव॥ वं वृमृवृग॥ लागलपाकाजमसिद्धय॥
 कोधी॥ वायनगाय॥ मावामदय॥ धनवकमशुय॥ मूर्ववंधु॥ लेखसग्याय॥ रुं पिडलमलधाय॥ लारी॥
 मतिवृयय॥ मूर्ववृग॥ नानागामुसयिव॥ कवद्विशुय॥ वलविरुशुयव॥ श्रीयाडदगनधनवक॥ गंधुय

कादय ॥ वंद्यवृष्टु ॥ भक्तलनयनमादमानयाय ॥ आदययाय ॥ श्रीविद्यात ॥ विषयसंगठशय ॥ सुखी
 नकालरुनिवा ॥ मूर्खवृष्टु ॥ नागी ॥ गुरुदय ॥ धानवानवशय ॥ गवककसय ॥ मूर्खवृष्टु ॥ नानावद्वि
 वक्त ॥ वनजनरागी ॥ वसवक्त ॥ धागुष्टादसय ॥ मूर्खवृष्टु ॥ नानागामुक्त ॥ वद्विवक्त ॥ यथावक्त ॥ जस
 वक्त ॥ धनरागी ॥ सुखी ॥ कीर्तिवक्त ॥ वंद्यवृष्टु ॥ मरुतशय ॥ लाकडापीति ॥ सुखी ॥ संपत्तिद
 य ॥ लाकडगिपालयाय ॥ डयकावी ॥ मिश्रव
 कर्तव्यमजीय ॥ लाकडामगुय ॥ मूर्खवृष्टु ॥
 वंद्यवृष्टु ॥ आयदकाय ॥ गीलवक्त ॥ कवद्वि ॥ सुखी ॥ मायाधुलीव ॥ आवावविवावमदय ॥ राग्यमदयव ॥
 दाविदशय ॥ वंद्यवृष्टु ॥ नाजानमान्ययाय ॥ मन्त्रीशयवक्त ॥ सकललाकस्यमान्ययाय ॥ मूर्खवृष्टु ॥
 गवीवमरुिनय ॥ डलमलकाय ॥ नाजानअयमानयाय ॥ द्रुगनमयाय ॥ वंद्यवृष्टु ॥ विद्यावक्त ॥ धर्म

75

वक्त ॥ विद्यातयवक्त ॥ दाता ॥ लाकयाकजसवक्त ॥ मूर्खवृष्टु ॥ विद्यावक्त ॥ धर्मवक्त ॥ विद्यातयवक्त ॥ दाता
 शय ॥ लाकसमसुयाकजसवक्त ॥ मूर्खवृष्टु ॥ दाता ॥ कायसिद्धयककय ॥ सत्यवक्त ॥ लाकडामरुवी
 ति ॥ सुखी ॥ संपत्तिनायव ॥ मूर्खवृष्टु ॥ काययागसनसिद्धिशय ॥ लाकडापीति ॥ मान्यदय ॥ यसाददय ॥
 यववागशय ॥ गुरुजितययव ॥ विद्यावक्त ॥
 लाकडापीति ॥ मीनसुखीशय ॥ वंद्यवृष्टु ॥
 धनशक्तमनमरुय ॥ वंद्यवृष्टु ॥ निरुद
 नकतेनय ॥ नाजानगतिविय ॥ सदाधनवक्त ॥ यययपीवक्त ॥ धनवक्त ॥ धनवृष्टु ॥ अनसावनसाय
 शय ॥ डवद्वेयसद्वेयमिश्रवेयधनसयवक्त ॥ लायाधनवक्त ॥ गुरुद्वेयसवाशय ॥ रिदरुल
 मविवमरुिरुलशक्तविव ॥ शुक्रवृष्टु ॥ सिद्धिकाल ॥ वाक्काविद्यासय ॥ मूर्खवृष्टु ॥ सूर्यकिंढाल ॥ वाजाया

प्रधुप्रगायीशय॥वन्द्यवधरिकात् वेद्ययाशगीशयव॥वनजालशय॥गनिश्वयधुकरिकात्
 शानलककय॥पधुनलककय॥आदित्यवदरिकात्॥गनीवरिनय॥जीववधधुकरिकात्॥आमिक
 शय॥पुणवन्त॥शगी॥अंगानगनिरिकात्॥कोधी॥शवावशय॥वाक्पण्यावाजायावेण्यागूदयाधने
 यादसायशनी॥

१२

गरीशवापुमपुवममवुडहविखाविमममवुडपुवगपुडवे

१८कनाशिशुअननदगयाययह
 वन्द्यश्वरुवगितदामृष्यायस्यत्रानि
 नावा॥

कनापुमपुवममवुडहविखाविमममवुडपुवगपुडवे

१९नयासुअकनाशिविन्दुगतय
 थमविगति॥

कावपुमपुवममवुडहविखाविमममवुडपुवगपुडवे

१८नागीवहिनननदगव
 मुयवमयविगतिजय॥

गणविद्यात्मकसर्व। सार्यायगीत्य कनाठी संश्रुतोयविवर्जयत्। रुक्मं बहूनि साक्षिष्यं तस्मात्कर्मस्य अतः प्रिया।
 रुयागाच्चरुं गणवकं बहूनि लक्षणं ॥ नाठी ॥ ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥
 ववे ४१ ववे गया ऊलाय (गे) ववे कयनिर्जदित विष्णु तस्य दा ॥ ५ न ऊ न्म विष्णु ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥
 । स्वात्मजा श्रमृतिर्वधधर्मणे विष्णु तन विवर्जयेज्ज ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥
 धर्मणे ४२ ववे ४१ ववे न विद्वन् न सून न य सो किं तु ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥
 दानखलु विष्णु तस्य दा । आत्मजा विमूनि सायने धनं ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥
 नी ना कनाय कय बाहि ४३ धुरु ४१ विष्णु तन विवर्जयेज्ज ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥
 (गा) विद्वद्वा मुजिद (गा) रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥
 ता सद्गुलं नहि दिगन्ति गवये । वामदधविधिना त्व (गा) रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥

ध्वेयानि वक्त्रमाणि तानि सर्वानि कावयत् ॥ वि सा क मुख ॥ ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥
 व अ (धा) वक्त्रा यकीर्तिता ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥
 न श्रुतिवा वरु खन्य विलय वगन ४४ यान्य (धा) मय कायाणि तानि सर्वानि कावयत् ॥ वि सा क मुख ॥ ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥
 कर्म यथा विधि ४५ समावयत् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥
 यगाय दूषा वेद दूगा गनी ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥
 ग्यां तदुद्देशी मननं ॥ सायाथाख्याययत्नं ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥
 रु मासिरुदयदग्था ॥ गवामुक्ता ययद्वा ॥ विष्णु तन विवर्जयेज्ज ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥
 ३ मरुतव ४१ आदिस्था दययुग्माश्च ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥
 वरुं सौभयिका संज्ञा धनयुग्यवर्द्धनं ॥ सौभयवमश्ववीसधर्मया ॥ ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥ १ ला रुक्मिण्येव गणस्य स्यात् ॥

दशवृत्तसमाख्याना. मुनिनामविदुर्लभः॥ दिगिधर्मया॥ ॥ अस्मावर्षवमीरूया शुक्रनरुस्यवगथा। मध्यानाविकव
 रुवा। काकस्यवृत्तमुरुम॥ काखजावियया॥ १४ वृत्तिसूर्यादयवेव शुक्रमाद्यनरुस्यव। मनदेमादुर्वनाम। कर्तुवमृषि
 यंगवे॥ यिनायरागसधर्मया॥ ॥ १४ अग्निनामरुतिनेयदे. वर्गवेयुगयादगी। यख्येवाविसरुयु. निधियायमहाव
 र्ग॥ विग्ननगयादगीया॥ ॥ १४ वृत्तमिग्रावुकरुया
 खन॥ सकमीवृत्तया॥ ॥ रादमाससिनेयदे.
 लंकदा॥ उदलावृत्तकया॥ ॥ १४ दयगुनिधि
 याविनिदिता॥ महालक्ष्मीधर्मया॥ ॥ १४ गयादगीसमायका. कलावेववगुर्दगी। यावर्गहिवगुर्दगी। काटियरु
 ललरुग॥ वगुर्दगीधर्मया॥ ॥ १४ नवमीमदयायग. यवतादगीमीरुवग। गदायकादगीत्याया. द्वादगीवमयायय
 ग॥ दिगिगुगया॥ ॥ उकादगीयदानका. मयायाद्वादगीतिथि॥ अश्वमधेगन४युयं. गयादगीनुयावर्ग॥ उका

दगीगुगया॥ ॥ कलायकादगीयग. यवताद्वादगीरुवग। गगुक्रगुगन४युयं. गयादगीनुयावर्ग॥ द्वादगीगुगया
 ॥ ॥ विवदेकादगीवेव. मयायासातिथिरुथा। द्वादगीमयावर्गकुं. विवृताकसगनुगि॥ उकादगीवादया॥ ॥
 कलाकाद्यादिद्वादगी. यदिस्यादयवरुनि४द्वादगीद्वादगीरुकि. युव्वेसिनयावर्गदिन॥ द्वादगीवागुया॥ ॥ १४ निगा
 यवगमधु४युधिमावृत्तमाववग। यावर्गवगन
 यासदवया. धर्मयायावर्गयाययोमय॥ १४ निगा
 दनेवकदावर्ग॥ युनिमीधर्मस. सनीतनुद्वाया
 यद्वती. महामहिषमर्दनी। कृकमायुवृकयुव. ध्रुयान्नक्षत्रगयली४॥ मरुनीयाविधिसय॥ ॥ अराकागितयदेव.
 मेगुयवगववगी। द्वादगीवधसंयका. रुविवासनमयत॥ रुविवाससय॥ ॥ १४ युधिवायानियायानि. वक्ररुत्यास
 मानिवा। अन्नमाधित्यतिष्ठकि. संयायकहविवासव॥ रुविवासनअन्ननमठवया॥ ॥ १४ सकमीद्वादगीशुक्ला. शुक्लाक

अष्टमी तथा। वदुर्दगी दयायापि, यूर्तिमादर्गमववा॥ अष्टयव्वेविजानीया, दिह्याह रुगवान्मनी॥ अष्टयव्वेया॥ ॥
 १२५ अनुल्लमलयदस्य, यस्यार्द्धे द्वादशी यदि। गविन्द द्वादशी नाम, मद्रायागकनाशनं॥ गविन्द द्वादशी लाकसय॥ ॥
 १२६ शुक्लपुक्कदशम्यानु, रुवङ्गमदिनीयदि। रुयाह रुक्मदोसंयुक्ता, सर्वयायहवागिधि॥ यांकाकि त्स्वविर्गयाया, दद्याह
 रुतिलादकी। रुवर्तदशयाया नि, गस्माद्दशरुवाति धि॥ दशरुवालाकसय॥ ॥ १२७ सकोष्टमी यदायुग्मं, वज्र
 नीयागुववित्रुग॥ अष्टयव्वेविजानीया, दिह्याह रुगवान्मनी॥ अष्टयव्वेया॥ ॥
 यिकवागिय॥ स्यागिष्ठा नमदूर्ध्वं, प्रियकिष्ठा मि भवग॥ सफमीवतयो॥ ॥ १२८ कानुनवमीयार्थ, जन्मना
 म्यावर्णक्या, नवम्यायदिलस्यते॥ येयधुक्क॥ नवमी, वामनवमीसय॥ ॥ १२९ मवयुक्कयदासोवि, सिंहमुगुववदु
 मा। रुक्मवधववा मध्य, मद्रायागकनाशनं॥ मद्रायागकनाशनं॥ ॥ १३० ससंरुयदासक, वदुसंयुक्कमधुल॥ गुव
 वायागिसंयार्ग, गन्मरुत्तकि॥ १३१ मद्रायागकनाशनं॥ मद्रायागकनाशनं॥ ॥ १३२ रुगाननकरुलास्मृता। गस्यानुजाकवीसानं, स्वयं

३८

दशगाधिकी॥ मद्रायागकनाशनं॥ ॥ १३३ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥
 वववीग॥ यदासंक्रमणरुगान, वागोयुयहवदया। अष्टयव्वेविजानीया, दिह्याह रुगवान्मनी॥ अष्टयव्वेया॥ ॥
 लाव्यसंववावर्ण। वक्कायिर्गनजानाति, किंयन॥ १३४ रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥
 दय॥ विषवसत्सहयापि, अनर्कधारुवायर्ण॥ ॥ १३५ रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥
 तिथीनां विषययदा। गदादिनरुय॥ १३६ रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥
 वनमुवर्ण। गदासागु मद्रायागकनाशनं॥ मद्रायागकनाशनं॥ ॥ १३७ रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥
 द्वादशी विजय॥ १३८ रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥
 यूनव्वेस॥ नामासागिजयाख्याता, तिथिनामरुमातिधि॥ याददागितिलयसु, नृक्षलम्वत्सवन॥ १३९ रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥
 रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥ ससंरुयार्द्धवागुदु, रुगान॥

नास्मादवम (धा) कर्ज ॥ विष्णुधर्मो ॥ ॥ विष्णुधर्मो ॥ नकादध्यासि गयक्ष, यथा र्क्षयगसकमागित्थोरुवगिसाथाका-
 विष्णुनायायनागनी ॥ तस्यां सैयूय (ग) विन्द, जगतामीध्वध्वर्वा। सकजन्मरुतात्याया, न्मृदुतनागसंगय ॥ यथाका
 दगी ॥ ॥ नात्रदीय ॥ वेगाखगितयक्षस्य, सैयूध्वादादगीयथा। रुवनयतिगादूल, वधवात्रकवाचिता ॥ गदायत्तनः
 करुणा, कृदुयादनसरुमा। नकरुकननकन, गथेवायावितनय ॥ ॥ तुलामकत्रमथय, प्रागमायीकि
 गदिय ॥ रुविद्य ॥ वक्रवयं ॥ मदायातकना, गन ॥ वेगायी, कारिकी, धर्मया ॥ ॥ २ आदिश्रुहसागुन, ३
 यथायाग, वधानुवाधगनिवाहिनीय। सामन, सोम्यरुगुववगीव, सोमाश्विनीवामृगसिद्धियाग ॥ ॥ मृ
 रुसिद्धियाग ॥ ॥ मृश्विनीसरुसूर्येय, साममृगनिवसुथा। अश्विनीमवावय, वधरुसुप्रकीर्तिगी। अनूवाध
 गुवावाव, विष्णुदवधरुगर्जवधवावर्णगनिसंयुक्त, मानन्दायंयकीर्तिगी ॥ अनन्दायाग ॥ रुवणीरानूनायव
 सामविगागथेवव। कजनवाकवावाडा, धनशायवदुदहज ॥ गुवा (श्व) रुवदुनुया, शुक्रश्रुविवर्जयत्। ववती

सत्वविनायसय ॥ १ कर्कटवृष्टिकमीनकविद्या, भवसिद्धधनरुगियथाका ॥ कीरुतुलाधनमनथवेगा, वधकन्य
 मकवादयशूडा ॥ वर्णसय ॥ ॥ वर्णश्रुयायदानावी, यथारुक्तानजीवगि। अथवाजीवितरुक्त, अयुगाधनवर्जिता ॥
 जातिवर्ण्यारुलसय ॥ ॥ मकवसकगनिमथयवत्या, तुलसरुमीनकलीवधटव। धनवृषवृष्टिकमनथवाणी,
 मवयकवागियरुदकथागा ॥ गफवद्वारुका ॥ ॥ वृषतुलयासरुकन्ययटन, मृगमिथुनवनवाउमथ
 या। कर्कटधनयावृष्टिकमथा, सगधनयीगियरु, दकथागा ॥ मिगवद्वारुका ॥ ॥ अश्विनीमृगनिवसुम
 क, खसकवखावसशून्यमर्क। वक्रयवाणययि, सगनन्दे ॥ सत्याविसर्गमिद्वानिवर्क ॥ वागिवर्क ॥ ॥
 १ मदादमीविधि ॥ रुजवाउ ॥ मूलनवाधयद्वी, यूर्वावाटनवर्जयत् ॥ वधदीयिकाया ॥ मूलनसरुला विल्व
 गाखामादययूजन ॥ रुजवाउ ॥ मूलनयगिवाधयरुगवर्गी, वधीयवेधुकि, मरुम्यामूयवाससयगधिया
 रुक्तासमावाधयत्। नानायासकमासमरुवधिव ॥ कृत्वा नवम्यावलि, नद्वर्णश्रवणीतिथिवदगीमीसया

१६
 व्यसं प्रथम ॥ सकृन्मा मूलयागप्रथमपदगोपयिकापूजनीया, अष्टम्यावागिरागकृतनियतविष्णुयज्ञकर्म
 यदिष्टा। नानाजीवारिद्यागस्मिन्मथनवर्मात्रोददक्षिस्त्रय्या, सावित्रीवेष्टुवाकनिहितवद्विधाप्रथयतादश्या
 ॥ नक्षत्रययुमूलदो, सकृन्मा माश्विनसित। चण्डिका मयवावय, पूजयदाष्टवृद्धया ॥ कर्माङ्गागत्रमष्टम्या, नवम्याः
 विधिवद्वर्त्ति। दशम्यात्रनवृद्धय, कर्मात्रीवाज
 यागसंवाक, पूजायात्रमहाहर्त्त ॥ ॥ कृत्य
 न्यादिगपूजित ॥ तिथिवृद्धिद्वयं चैव, यगसं द
 कृवदाहययद्वी, गुरुननरुवालयग ॥ पूर्वपक्षययद्वी, डरुवासागमादिगता। प्रवणावालयगद्वी, सर्वसु
 न्निप्रदायका ॥ रविस्त्रिष्टयत्रमागकि, तिथिश्चैवनिवद्विथ। गितगकि समायुक्तं, दुर्गोक्तयनमूलम ॥ महनीयाख
 ठसान ॥ नववाग्यमात्मान, यं वदग्यासितासह। कवर्त्तयदिनद्याया, रुद्राश्चैवकदाचन ॥

नानृत्य ॥ अष्टम्यापूजयत्रदा, नवम्यां गकि नृचन। दया
 विनामनि, दुर्गोक्तवविधि ॥ नववाग्यसविष्टयं, वक्रा
 गमदिन ॥ वविवाकृताथयंयु, कृजश्चैवमहावल ॥
 ३४